ISBN : 978-81-937100-1-2

कॉपर मून पिकनिक

डॉ. कामिनी बावनकर

कॉपर मून पिकनिक

जिला लोक शिक्षा समिति रायपुर, छत्तीसगढ़

कॉपर मून पिकनिक

लेखिका : **डॉ. कामिनी बावनकर**
जिला समन्वयक
जिला लोक शिक्षा समिति रायपुर, छत्तीसगढ़

मार्गदर्शक : **डॉ. संजय गुहे**
जिला परियोजना अधिकारी
जिला लोक शिक्षा समिति रायपुर, छत्तीसगढ़

ISBN : 978-81-937100-1-2

© जिला लोक शिक्षा समिति रायपुर, छत्तीसगढ़ 2018

प्रथम संस्करण 2019

मूल्य : 2.00/–

प्रकाशक :
अदिति पब्लिकेशन,
बर्फ कारखाना के पास,
शक्ति साउॅण्ड सर्विस के सामने गली,
कुशालपुर रायपुर (छत्तीसगढ़)
फोन : +919425210308

पृष्ठभूमि –

1. नियोजन
2. योजना का उद्देश्य
3. समस्या का चयन
4. क्रियान्वयन
5. रिपोर्ट
6. निष्कर्ष

नियोजन –

पंतजलि योग समिति के सभी सदस्य, आदर्ष विकास महिला संगठन के सदस्य, कॉलेज एवं स्कूल के छात्र छात्राएं, योगाचार्य ग्रामवासी, प्रेरक, नवसाक्षर, अनुदेशक सभी लोग एक साथ उपस्थित थे। सभी को समस्या से अवगत कराया गया।

योजना का उद्देश्य –

1. लोगो के मन मस्तिष्क में सदियो से बैठे अंधविश्वासों जैसे ग्रहण लगने से बाहर न निकलना, खाना–पीना वर्जित, भोजन सामग्री फेंक देना यह धारणा गलत है इससे अवगत कराना।
2. लोगों और विद्यार्थियों में भ्रांतियों एवं अंधविश्वास

को समाप्त कर वैज्ञानिक अवधारणा के ज्ञान से अवगत कराना।

3. कई प्रकार के विज्ञान से संबंधित रोचक प्रयोग इस दौरान किये जा सकते है। ऐसे उदाहरणों से अवगत कराना।
4. कॉपर मून पिकनिक को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने की कोशिश करा कर खगोलीय धारणा को यादगार पल में बदलने से अवगत कराना ।

समस्या का चयन –

कॉपर मून पिकनिक को योग समिति के सभी सदस्य, महिला संगठन के सदस्य, कॉलेज एवं स्कूल छात्र–छात्राओ, योगाचार्य, ग्रामवासी, नवसाक्षर, प्रेरक, अनूदेशको, के साथ क्यो किस प्रकार और कैसें अवलोकन कर सकेंगे इसे खुले प्रागंण में खगोलशास्त्र टेलिस्कोप की सहायता से बताया जायेगा।

क्रियान्वयन –

प्रायोजना विधि मनोविज्ञान के सिद्धांत पर आधारित है। इस विधि में स्वंय अवलोकन करके सीखते है। जिससे ज्ञान स्थाई रहता है। यह वह कार्यविधि है जो पूर्णतया लगन के साथ सामाजिक परिवेश में पूरा किया जाता है।

कॉपर मून पिकनिक क्या ..... है ?

कॉपर मून पिकनिक का आयोजन लोगो के मन मस्तिष्क में बैठे अंधविश्वासों को दूर करने के लिए किया गया है। इसलिए ग्रहण से संबंधित कौतूहल का उपयोग ग्रहण के बारे में प्रचलित अंधविश्वासों और रूढियों जैसे ग्रहण लगने से बाहर न निकलना, ग्रहण के समय भोजन वर्जित, ग्रहण के बाद स्नान, ग्रहण का गर्भस्थ शिशु पर असर इत्यादि को वैज्ञानिक चिंतन के साथ जोड़ना है। इन अंधविश्वास का खंडन करते हुये खुले में टेलिस्कोप से चंद्रग्रहण देखते हुये, खाते पीते हुये, विज्ञान गीत गाते हुये लोगो का अंधविश्वास तोड़ना है। लोगो को चंद्रग्रहण के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जागरूक किया गया।

आंशिक तौर पर किस समय दिखेगा चंद्रग्रहण –

31 जनवरी 2018 को चंद्रग्रहण शाम 5 बजकर 18 मिनट से शुरू होगा और 8 बजकर 41 मिनट पर खत्म होगा। इसमें पूर्ण चंद्रग्रहण की अवधि 1 घंटा 16 मिनट की होगी पूर्ण चंद्रग्रहण 6:21 बजे शुरू होगा तथा 7:37 बजे तक था। इसे 21वीं सदी का पूर्ण चंद्रग्रहण माना जा रहा है। इस दिन आसमान में अद्‌भुत नजारा रहेगा। चंद्रमा आम दिनों से ज्यादा बड़ा व चमकीला दिखाई पड़ेगा।

चित्र : कॉपर मून पिकनिक के बारे में जानकारी देते हुये डॉ. कामिनी बावनकर, जिला समन्वयक, जिला लोक शिक्षा समिति रायपुर

चंद्रग्रहण क्या ..... है ?

जब चंद्रमा और सूर्य के बीच में पृथ्वी आ जाये। चंद्र ग्रहण तब होता है जब सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी इस प्रकार से आ जाती है कि पृथ्वी की छाया से चंद्रमा पूरी तरह या आंशिक भाग ढक जाता है तब पृथ्वी सूर्य की किरणों को चंद्रमा तक नहीं पहुंचने देती है, जिसके कारण पृथ्वी के उस हिस्से में चंद्रग्रहण नजर आता है। इसे ब्लड मून भी कहा जाता है।

रिपोर्ट –

शाम 5:30 से एकत्र जनसमूह जिसमें युवा मंडल, महिला समिति, छात्र–छात्राओं और ग्रामवासियों के मिलेजुले समूहों का अंधविश्वास दूर करने के लिए और इनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण निर्माण करने हेतु कॉपर मून पिकनिक का आयोजन किया गया। 31 जनवरी को माघ पूर्णिमा पर होने वाला चंद्रग्रहण भारत सहित विश्व के कई अनेक देशों में भी दिखाई पड़ेगा, यह जानकारी दी गई। अंध ाविश्वास के खिलाफ अपने–अपने अनुभव शेयर करते रहे, जैसे ही शाम 6:22 को ग्रहण शुरू हुआ सभी बाहर स्टेज और मैदान में आ गये जहां बिजली के खम्बों में लगी रोशनी बुझा दी गयी और चंद्रमा के रंग को ग्रहण के दौरान चंद्रमा तीन रंगों सुपर मून, ब्लू मून और ब्लड मून में देखा गया।

चित्र : चन्द्रग्रहण से होने वाले अंधविश्वास को दूर करते हुये श्री पी.सी रथ, सचिव, छ.ग. विज्ञान सभा रायपुर

सुपर मून, ब्लू मून और ब्लड मून क्या ..... है ?

चित्र : ग्रहण के दौरान चंद्रमा तीन रंगों में दिखाई दिया, सुपर मून, ब्लू मून, ब्लड मून

सुपर मून –

जब चांद और धरती के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है और पृथ्वी, चंद्रमा–सूर्य के बीच आ जाती है, तब चंद्रग्रहण होता हैं। इसे सुपर मून कहते हैं। ऐसे स्थिति में चांद 14 प्रतिशत बड़ा और 30 प्रतिशत तक ज्यादा चमकीला दिखता है।

ब्लू मून –

चंद्रग्रहण पर चांद पूरा दिखेगा। जब ऐसा होता है तो चांद की निचली सतह से नीले रंग की रोशनी बिखरती है। इस वजह से इसे ब्लू मून कहा जाता है। वैज्ञानिक गणना के मुताबिक अगला ब्लू मून साल 2028 और 2037 में दिखेगा।

ब्लड मून –

ग्रहण के दौरान सूर्य किरणों को चंद्रमा तक पहुचने के लिए पृथ्वी के वायुमंडल से गुजरना पड़ता है। इस दौरान किरणे बिखर जाती है। ये चांद की सतह् पर पड़ती है तो सतह् पर लालिमा दिखती है। इस वजह से ब्लड मून कहा गया हैं।

चंद्रमा के रंग को ग्रहण के प्रभाव में बदलते देखा गया इस बीच लगातार अंधविश्वासों, रूढ़ियों के खिलाफ वैज्ञानिक चेतना की बातचीत मंच से होती रही और विज्ञान गीत गाया जाता रहा। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा के

सचिव श्री ए.सी.रथ एवं जिला लोक शिक्षा समिति रायपुर की डॉ कामिनी बावनकर ने स्त्रोत व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों को संचालित किया।

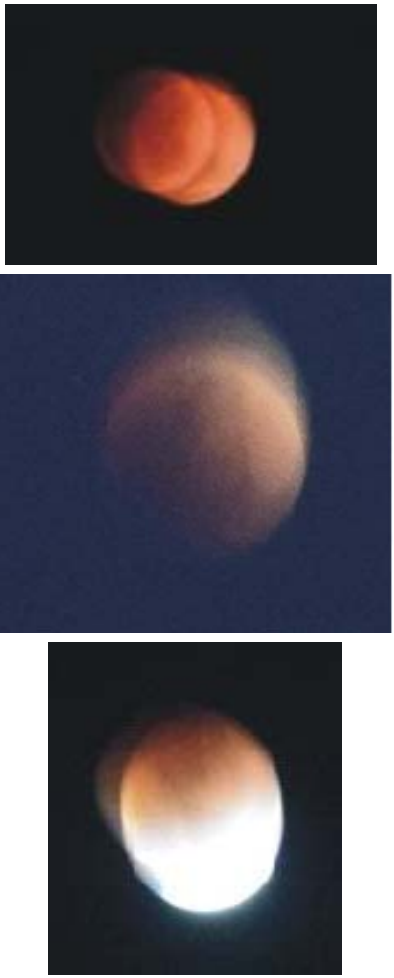

चित्र : आसमान में चंद्रमा के रंग को ग्रहण के प्रभाव में बदलते देखा गया।

चमत्कारी प्रदर्शन करके उसके वैज्ञानिक व्याख्या करके बताया गया कि किस तरह भोले लोगो को ढोंगी बाबा ठगाते है। जलते हुये आग का सेवन करना, सुखे पत्तों से भरे कुण्ड में अग्नि पानी के छीटों से प्रज्वलित करना। (पोटॅशियम परमॅग्नेट+ग्लिसरीन) जैसे चमत्कार दिखाकर उसके कारणों की व्याख्या की गई। उसके साथ ही चंद्रग्रहण के कारणों और पृथ्वी तथा चंद्रमा के संबंधों और आपस में प्रभाव को आसान उदाहरणों और प्रयोगो

चित्र : आपस में प्रभाव को आसान उदाहरणों और प्रयोगो से समझाया गया।

चित्र : चमत्कारी प्रदर्शन दिखाकर उसके कारणों की व्याख्या करते हुये श्री पी.सी. रथ, सचिव, छ.ग. विज्ञान सभा रायपुर

चित्र : ढोंगी बाबा का उदाहरण देते हुये चमत्कारी प्रदर्शन छात्रों द्वारा करते हुये

चित्र : ढोंगी बाबा का उदाहरण देते हुये चमत्कारी प्रदर्शन छात्रों द्वारा करते हुये

ग्रहण के दौरान पिकनिक के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का विशेष आयोजन सबके लिए किया गया था जिसमें उड़द बड़ा, भजिया, सोहारी, गेहूं आटे का मीठा गुलगुला, चौसेला और धनिया, टमाटर, हरी मिर्ची की चटनी का सबने आनंद उठाया और सुपर मून पिकनिक को जबरदस्त जनभागीदारी से कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

चित्र : ग्रहण के दौरान कॉपर मून पिकनिक में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का आनंद लेते हुये अधिकारीगण एवं समस्त ग्रामवासी

चित्र : मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत तिल्दा, ममता यादव के द्वारा चन्द्रग्रहण के दृश्य का अवलोकन करते हुए।

चित्र : प्राचार्य श्री चन्दानी जी के द्वारा चन्द्रग्रहण को देखा गया व चन्द्रग्रहण के बारे में विस्तार से बताया।

चित्र : चन्द्रग्रहण के बारे में जानकारी देते हुये अधिकारी

प्रखर समाचार
रायपुर
शुक्रवार 02 फरवरी 2018

अंधविश्वास दूर करने टेमरी में कापर मून पिकनिक का आयोजन

छात्र-छात्राओं ,महिला समिति के सदस्यों एवं जनसमूह को ग्रहण के संबंध में दी जानकारी

रायपुर (प्रखर) जिला पंचायत रायपुर, छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा एवं जिला लोक शिक्षा समिति के द्वारा संयुक्त रुप से ग्राम टेमरी में कॉपर मून पिकनिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रहण काल के दौरान जो भ्रांतिया समाज में अंधविश्वास के रुप में फैली हुई है उसे ग्रामीणों को ठीक से समझाकर दूर करना है । विज्ञान सभा के सचिव पीसी रथ एवं जिला लोक शिक्षा समिति के सदस्य डॉ.कामिनी बावलकर ने बताया कि ग्राम टेमरी में शाम साढ़े पांच बजे एकत्रित युवा मंडल , महिला समिति ,छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों के जन समूह को विज्ञान ,पर्यावरण के संबंध में जानकारी दी गई । साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह को गीत के माध्यम से अंधविश्वास के खिलाफ अपने -अपने अनुभव बटि । वही लगभग शाम 6बजकर22 मिनट में ग्रहण शुरु होते ही सभी खुले मैदान में आकर बिजली पोल में लगी 6 बल्बों को बंद कर दी गई और चंद्रमा के रंग को ग्रहण के प्रभाव से बदलते देखा गया और लगातार अंधविश्वासों रूढ़ियों के खिलाफ वैज्ञानिक चेतना की जानकारी दी गई ।और चमत्कार प्रदर्शन करके उसकी वैज्ञानिक व्याख्या करके उपस्थित जन समूह को बताया गया कि किस तरह इनकी आड़ में लोगों को ठगी बाबा ठगते है । लोगों को व्याख्या कर जानकारी दी गई और ऐसे ठगों से दूर रहने कहा गया । साथ ही जन समूह को चन्द्रग्रहण के कारणों और पृथ्वी तथा चंद्रमा के संबंधों को उदाहरण और प्रयोगों के माध्यम से समझाया गया ।दोनों के गुरुत्वाकर्षण बल में अतर को ज्वार -भाटे सहित ग्रहण से जुड़े होने वाले परिवर्तन को समझाया गया ।साथ ही ऋतु परिवर्तन के कारणों पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोजित कार्यक्रम का संचालन श्री रथ व डॉ. कामिनी बावनकर ने किया । कार्यक्रम में श्री भास्कर ,पंतजली योग समिति के सदस्य,अर्दश विकास महिला संगठन के सदस्य,कॉलेज,स्कूल के छात्र - छात्राएं,योगाचार्य, अशोक साहू ,गणेश राम, कन्हैया साहू,रामकुमार कुर्रे , मोहन साहू, दशरथ साहू, जोगी राम , सोनसय यादव ,जागेश्वर साहू, सहित युवा संगठन के अध्यक्ष भोजराज साहू, ने कार्यक्रम को सफल बनाने अपना सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में जिला लोक शिक्षा समिति द्वारा लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई । कार्यक्रम के आयोजन में जिला लोक शिक्षा समिति के परियोजना अधिकारी संजय गुहे विशेष मार्गदर्शन रहा।

चित्र : कॉपर मून पिकनिक के आयोजन का न्यूज पेपर कटींग का प्रारूप

निष्कर्ष –

1. यह खगोलीय घटना है। यह पृथ्वी के छाया के कारण होता है।
2. चंद्रग्रहण का कहीं कोई दुष्प्रभाव नहीं है। इसमें कोई बुराई या नुकसान नहीं है। यह बताया गया कि आंखों की सुरक्षा बरतते हुये देखा जा सकता है।
3. कुछ लोग यह मानते थे कि इस दौरान भोजन में छूत लग जाती है, जिससे विभिन्न तरह की बीमारियां हो सकती है। सच बात तो यह है कि ग्रहण के दौरान ऐसी कोई बात नहीं होती, जिससे कि भोजन खराब हो जाए, इसमें कोई जहरीला पदार्थ नहीं आता है। ग्रहण के दौरान भोजन करना, उतना ही सुरक्षित है जितना किसी सामान्य दिनों में करना सुरक्षित होता है।
4. ग्रहण के बाद स्नान करने की आवश्यकता का कोई वैज्ञानिक कारण नहीं है। यह तो व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है कि वह कब स्नान करें और न करें।
5. गर्भवती महिला के गर्भ में पल रहें बच्चें के स्वास्थ पर ग्रहण का बुरा असर पड़ेगा यह धारणा पूरी तरह निराधार है। ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है, ग्रहण का कोई नुकसान गर्भस्थ शिशु पर पड़ेगा।

प्रकाशक :
अदिति पब्लिकेशन
बर्फ कारखाना के पास, शक्ति साउॅण्ड सर्विस के सामने गली,
कुशालपुर रायपुर (छत्तीसगढ़), फोन : +919425210308